मेवाड़ विश्वविद्यालय नौजवानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिये प्रतिबद्ध है - कुलाधिपति डॉ. गदिया

मेवाड़ विश्वविद्यालय में मनाया स्थापना दिवस

▪ दास्ताने भीलवाड़ा @ चित्तौड़गढ़/ गंगरार

''रीच टू अनरीच'' के मोटो के साथ समाज के गरीब से गरीब तबके को सस्ती और मूल्यपरक शिक्षा प्रदान करना ही मेवाड़ विश्वविद्यालय का उद्देश्य है। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने मेवाड़ विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में कही। उन्होने आगे कहा कि इन्ही संकल्पनाओं के साथ मेवाड़ विश्वविद्यालय की स्थापना की गई कि हम उन तक पहुंच सके कि जो पिछड़े है, दलित है और कौशलपूर्ण शिक्षा से वंचित है। मेवाड़ विश्वविद्यालय नौजवानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिये प्रतिबद्ध है। कुलपति प्रो. (डॉ.) सर्वोत्तम दीक्षित ने कहा कि अनुशासन प्रतिबद्धता एवं कड़ी मेहनत ही इंसान को सफल बनाती है। सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत से अपना लक्ष्य हासिल करना चाहिए और अपना, अपने परिवार का तथा अपने विश्वविद्यालय का मान बढ़ाने में सहयोग करना

चाहिए। प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने कहा कि छात्र और शिक्षक किसी भी विश्वविद्यालय के असल फाउन्डर्स होते है। आज मेवाड़ विश्वविद्यालय उन्ही की बदौलत पन्द्रह वर्ष का सफर सफलतापूर्वक पूर्ण कर इन ऊँचाईयों पर पहुंचा है। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन भी किया गया जिसमें शास्त्रीय नृत्य, समूह गीत, सोशियल मीडिया और शिक्षा विषय पर नाटक प्रस्तुति की गई और इसके साथ ही डॉ. सतीश आमेटा मेवाड़ के गौरवशाली अतीत पर कविता प्रस्तुत की।

इस अवसर पर राजस्थान सरकार के सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग में असिस्टेन्ट प्रोग्रामर पद पर कार्यरत मेवाड़ विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थी सुनील कुमार गढ़वाल, स्टरलिंग एण्ड विल्सन कम्पनी गुरूग्राम की डिप्टी मैनेजर पूजा शर्मा ने विश्वविद्यालय की अपनी पुरानी यादों को साझा किया। मेवाड़ विश्वविद्यालय के षिक्षकों डॉ. अरूणा दुबे, वन्दना चुण्डावत, डॉ. गुलजार अहमद ने अपने अनुभव साझा किये। स्थापना दिवस के अवसर पर बेस्ट एडमिनिस्ट्रेटर, बेस्ट टीचिंग, बेस्ट डिसिप्लीन टीचिंग, बेस्ट काउन्सिलिंग, बेस्ट डिसीप्लीन नॉन टीचिंग, बेस्ट मैन्टेनेन्स अवार्ड से शिक्षकों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आरम्भ कुलगीत एवं सरस्वती वंदना के साथ तथा समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गंगा बिस्वा ने किया। इस अवसर पर, अकादमिक निदेशक डी.के. शर्मा, निदेषक, ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट, हरीश गुरनानी, उपकुलसचिव दीप्ति शास्त्री, विभिन्न संकायों एवं विभागों के अध्यक्ष सहित अन्य शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में मनाया गया स्थापना दिवस

मेवाड़ विश्वविद्यालय नौजवानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिये प्रतिबद्ध है- कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़/ ''रीच टू अनरीच'' के मोटो के साथ समाज के गरीब से गरीब तबके को सस्ती और मूल्यपरक शिक्षा प्रदान करना ही मेवाड़ विश्वविद्यालय का उद्देश्य है। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने मेवाड़ विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में कही। उन्होने आगे कहा कि इन्ही संकल्पनाओं के साथ मेवाड़ विश्वविद्यालय की स्थापना की गई कि हम उन तक पहुंच सके कि जो पिछड़े है, दलित है और कौशलपूर्ण शिक्षा से वंचित है। मेवाड़ विश्वविद्यालय नौजवानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिये प्रतिबद्ध है। कुलपति प्रो. (डॉ.) सर्वोत्तम दीक्षित ने कहा कि अनुशासन प्रतिबद्धता एवं कड़ी मेहनत ही इंसान को सफल बनाती है। सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत से अपना लक्ष्य हासिल करना चाहिए और अपना, अपने परिवार का तथा अपने विश्वविद्यालय का मान बढ़ाने में सहयोग करना चाहिए। प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने कहा कि छात्र और शिक्षक किसी भी विश्वविद्यालय के असल फाउन्डर्स होते है। आज मेवाड़ विश्वविद्यालय उन्ही की बदौलत पन्द्रह वर्ष का सफर सफलतापूर्वक पूर्ण कर इन ऊँचाईयों पर पहुंचा है। ओएसडी हुण्दल विधानी ने कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय ही देष का एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है जिसकी विभिन्न पाठ्यक्रमों के अध्ययन का शुल्क अन्य विश्वविद्यालय के अपेक्षाकृत बहुत कम है। इस अवसर पर कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया द्वारा लिखित पुस्तक 'मेरे अनुभव एवं इतिहास के झरोखे से कश्मीर'' की समीक्षा करते हुए मेवाड़ विश्वविद्यालय प्रकाशन निदेशक शशांक द्विवेदी ने कहा कि इस पुस्तक में कष्मीरी छात्रों के लिये मेवाड़ विश्वविद्यालय की कड़ी मेहनत और संघर्षों को समेटकर कश्मीरी समस्या का मर्म रखा गया है। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन भी किया गया जिसमें शास्त्रीय नृत्य, समूह गीत, सोशियल मीडिया और शिक्षा विषय पर नाटक प्रस्तुति की गई और इसके साथ ही डॉ. सतीश आमेटा मेवाड़ के गौरवशाली अतीत पर कविता प्रस्तुत की। इस अवसर पर राजस्थान सरकार के सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग में असिस्टेन्ट प्रोग्रामर पद पर कार्यरत मेवाड़ विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थी सुनील कुमार गढ़वाल, स्टरलिंग एण्ड विल्सन कम्पनी गुरूग्राम की डिप्टी मैनेजर पूजा शर्मा ने विश्वविद्यालय की अपनी पुरानी यादों को साझा किया। मेवाड़ विश्वविद्यालय के षिक्षकों डॉ. अरूणा दुबे, वन्दना चुण्डावत, डॉ. गुलजार अहमद ने अपने अनुभव साझा किये। स्थापना दिवस के अवसर पर बेस्ट एडमिनिस्ट्रेटर, बेस्ट टीचिंग, बेस्ट डिसिप्लीन टीचिंग, बेस्ट काउन्सिलिंग, बेस्ट डिसीप्लीन नॉन टीचिंग, बेस्ट मैन्टेनेन्स अवार्ड से शिक्षकों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आरम्भ कुलगीत एवं सरस्वती वंदना के साथ तथा समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गंगा बिस्वा ने किया। इस अवसर पर, अकादमिक निदेशक डी.के. शर्मा, निदेषक, ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट, हरीश गुरनानी, उपकुलसचिव दीप्ति शास्त्री, विभिन्न संकायों एवं विभागों के अध्यक्ष सहित अन्य शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गंगरार। मेवाड़ विश्वविद्यालय में बच्चों द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तुति देती छात्राएं।

मेवाड़ विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मनाया

गंगरार। रीच टू अनरीच के मोटो के साथ समाज के गरीब से गरीब तबके को सस्ती और मूल्यपरक शिक्षा प्रदान करना ही मेवाड़ विश्वविद्यालय का उद्देश्य है। यह विचार मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने स्थापना दिवस पर व्यक्त किए। उन्होने कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय नौजवानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिये प्रतिबद्ध है।कुलपति प्रो. (डॉ.) सर्वोत्तम दीक्षित ने कहा कि अनुशासन प्रतिबद्धता एवं कड़ी मेहनत ही इंसान को सफल बनाती है। प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने कहा कि छात्र और शिक्षक किसी भी विश्वविद्यालय के असल फाउन्डर्स होते है। ओएसडी हुण्दल विधानी ने कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय ही देष का एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है जिसकी विभिन्न पाठ्यक्रमों के अध्ययन का शुल्क अन्य विश्वविद्यालयों के अपेक्षाकृत बहुत कम है।इस अवसर पर कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया द्वारा लिखित पुस्तक मेरे अनुभव एवं इतिहास के झरोखे से कश्मीर की समीक्षा करते हुए मेवाड़ विश्वविद्यालय प्रकाषन निदेशक शशांक द्विवेदी ने कहा कि इस पुस्तक में कश्मीरी समस्या का मर्म रखा गया है। इस अवसर पर सुनील कुमार गढ़वाल, पूजा शर्मा,डॉ. अरूणा दुबे, वन्दना चुण्डावत, डॉ. गुलजार अहमद ने विचार व्यक्त किए। स्थापना दिवस के अवसर पर बेस्ट एडमिनिस्ट्रेटर, बेस्ट टीचिंग, बेस्ट डिसिप्लीन टीचिंग, बेस्ट काउन्सिलिंग, बेस्ट डिसीप्लीन नॉन टीचिंग, बेस्ट मैन्टेनेन्स अवार्ड से शिक्षकों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। संचालन डॉ. गंगा बिस्वा ने किया।

Dainik Navajyoti 22-09-2022

मेवाड़ विवि ने मनाया स्थापना दिवस

कार्यक्रम में प्रस्तुति देती छात्राएं।

चित्तौड़गढ़ (प्रातःकाल संवाददाता)। रीच टू अनरीच के मोटो के साथ समाज के गरीब से गरीब तबके को सस्ती और मूल्यपरक शिक्षा प्रदान करना ही मेवाड़ विश्वविद्यालय का उद्देश्य है। उक्त बात मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में कही। उन्होंने कहा कि इन्हीं संकल्पनाओं के साथ विश्वविद्यालय की स्थापना की गई कि हम उन तक पहुंच सके कि जो पिछड़े, दलित और कौशलपूर्ण शिक्षा से वंचित है। विश्वविद्यालय नौजवानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिये प्रतिबद्ध है। कुलपति प्रो. सर्वोश्रम दीक्षित ने कहा कि अनुशासन प्रतिबद्धता एवं कड़ी मेहनत ही इंसान को सफल बनाती है। सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत से अपना लक्ष्य हासिल करना चाहिए और अपना, अपने परिवार का तथा विश्वविद्यालय का मान बढ़ाने में सहयोग करना चाहिए। प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने कहा कि छात्र और शिक्षक किसी भी विश्वविद्यालय के असल फाउन्डर्स होते है। ओएसडी हुण्दल विधानी ने कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय ही देश का एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है जिसकी विभिन्न पाठ्यक्रमों के अध्ययन का शुल्क अन्य विश्वविद्यालयों के अपेक्षाकृत बहुत कम है। इस अवसर पर कुलाधिपति डॉ. गदिया द्वारा लिखित पुस्तक 'मेरे अनुभव एवं इतिहास के झरोखे से कश्मीर'' की समीक्षा करते हुए मेवाड़ विश्वविद्यालय प्रकाशन निदेशक शषांक द्विवेदी ने कहा कि इस पुस्तक में कश्मीरी छात्रों के लिये मेवाड़ विश्वविद्यालय की कड़ी मेहनत और संघर्षों को समेटकर कश्मीरी समस्या का मर्म रखा गया है। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन भी किया गया।

Pratahkal 22-09-2022

मेवाड़ विश्वविद्यालय में मनाया गया स्थापना दिवस

मेवाड़ विश्वविद्यालय नौजवानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिये प्रतिबद्ध है-कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया

न्यूज ज्योति

चित्तौड़गढ़/ गंगरार। ''रीच टू अनरीच'' के मोटो के साथ समाज के गरीब से गरीब तबके को सस्ती और मूल्यपरक शिक्षा प्रदान करना ही मेवाड़ विश्वविद्यालय का उद्देश्य है। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने मेवाड़ विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में कही। उन्होने आगे कहा कि इन्ही संकल्पनाओं के साथ मेवाड़ विश्वविद्यालय की स्थापना की गई कि हम उन तक पहुंच सके कि जो पिछड़े है, दलित है और कौशलपूर्ण शिक्षा से वंचित है। मेवाड़ विश्वविद्यालय नौजवानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिये प्रतिबद्ध है। कुलपति प्रो. (डॉ.) सर्वोत्तम दीक्षित ने कहा कि अनुशासन प्रतिबद्धता एवं कड़ी मेहनत ही इंसान को सफल बनाती है। सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत से अपना लक्ष्य हासिल करना चाहिए और अपना, अपने परिवार का तथा अपने विश्वविद्यालय का मान बढ़ाने में सहयोग करना चाहिए। प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने कहा कि छात्र और शिक्षक किसी भी विश्वविद्यालय के असल फाउन्डर्स होते है। आज मेवाड़ विश्वविद्यालय उन्ही की बदौलत पन्द्रह वर्ष का सफर सफलतापूर्वक पूर्ण कर इन ऊँचाईयों पर पहुंचा है। ओएसडी हुण्दल विधानी ने कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय ही देष का एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है जिसकी विभिन्न पाठ्यक्रमों के अध्ययन का शुल्क अन्य विश्वविद्यालय के अपेक्षाकृत बहुत कम है। इस अवसर पर कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया द्वारा लिखित पुस्तक 'मेरे अनुभव एवं इतिहास के झरोखे से कश्मीर'' की समीक्षा करते हुए मेवाड़ विश्वविद्यालय प्रकाशन निदेशक शशांक द्विवेदी ने कहा कि इस पुस्तक में कष्मीरी छात्रों के लिये मेवाड़ विश्वविद्यालय की कड़ी मेहनत और संघर्षों को समेटकर कश्मीरी समस्या का मर्म रखा गया है।

मेवाड़ विश्वविद्यालय ने मनाया 15वां स्थापना दिवस

गरीब तबके को सस्ती व मूल्यपरक शिक्षा प्रदान करना लक्ष्य: गदिया

गंगरार, 21 सितम्बर (जसं.) । 'रीच टू अनरीच' के मोटो के साथ समाज के गरीब से गरीब तबके को सस्ती और मूल्यपरक शिक्षा प्रदान करना ही मेवाड़ विश्वविद्यालय का उद्देश्य है।

उक्त बात मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में कही। उन्होंने कहा कि इन्ही संकल्पनाओं के साथ विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि कौशलपूर्ण शिक्षा से वंचित पिछड़े व दलित वर्ग के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिये विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो. (डॉ.) सर्वोश्रम दीक्षित ने कहा कि अनुशासन, प्रतिबद्धता एवं कड़ी मेहनत ही इंसान को सफल बनाती है। सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत से अपना लक्ष्य हासिल

करना चाहिए। प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने कहा कि छात्र और शिक्षक किसी भी विश्वविद्यालय के असल फाउंडर्स होते है। आज मेवाड़ विश्वविद्यालय ने उन्हीं की बदोलत 15 वर्ष का सफर सफलता पूर्वक पूर्ण किया है।

इस अवसर पर कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया द्वारा लिखित पुस्तक 'मेरे अनुभव एवं इतिहास के झरोखे से कश्मीर' की समीक्षा करते हुए प्रकाशन निदेशक शषांक द्विवेदी ने कहा कि इस पुस्तक में कश्मीरी छात्रों के लिये विश्वविद्यालय की कड़ी मेहनत और संघर्षो को समेटकर कश्मीरी समस्या का मर्म रखा गया है। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई। इसके साथ ही डॉ. सतीश आमेटा ने मेवाड़ के

गौरवशाली अतीत पर कविता प्रस्तुत की। इस अवसर पर राजस्थान सरकार के सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग में असिस्टेन्ट प्रोग्रामर पद पर कार्यरत विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थी सुनील कुमार गढ़वाल, स्टरलिंग एण्ड विल्सन कम्पनी गुरुग्राम की डिप्टी मैनेजर पूजा शर्मा ने विश्वविद्यालय की अपनी पुरानी यादों को साझा किया।

स्थापना दिवस के अवसर पर शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. गंगा बिस्वा, अकादमिक निदेशक डीके शर्मा, हरीश गुरनानी, उप कुलसचिव दीप्ति शास्त्री, विभिन्न संकायों एवं विभागों के अध्यक्ष सहित अन्य शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Jannavak 22-09-2022